30. रचनात्मक अभिव्यक्ति

रचनात्मकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यक है। हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति द्वारा छात्रों की आंतरिक रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रकाश में लाने का अवसर दिया जाता है। प्रत्येक छात्र के अंदर कुछ अलग या कुछ नया करने की ललक होती है। रचनात्मक अभिव्यक्ति एक कला है जिसके द्वारा छात्रों की इसी कला को उभारने का प्रयास किया जाता है। इसमें भिन्न-भिन्न प्रकार की विधाएँ शामिल की जाती हैं।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से पूछें, वे रचनात्मक अभिव्यक्ति से क्या समझते हैं तथा उन्हें किस प्रकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति पसंद है।
- बताएँ, रचनात्मक कला की अभिव्यक्ति मौखिक तथा लिखित दोनों प्रकार से की जाती है।
- मौखिक अभिव्यक्ति वाचन कौशल पर आधारित होती है।
- छात्रों को आशुभाषण, कविता वाचन, कथा, कहानी अथवा घटना सुनाना, संवाद वाचन आदि मौखिक अभिव्यक्तियों का बारंबार अभ्यास करवाएँ।
- समझाएँ, मौखिक अभिव्यक्ति के लिए शुद्ध उच्चारण तथा भावों के उतार-चढ़ाव का उचित आरोह-अवरोह आवश्यक है, जिसमें निरंतर अभ्यास से कुशलता प्राप्त की जा सकती है।
- लिखित अभिव्यक्ति के अंतर्गत छात्रों को प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लेखन, कविता लेखन, डायरी लेखन, नारा लेखन, विज्ञापन लेखन आदि के बारे में समझाएँ तथा इनका अभ्यास करवाएँ।
- बताएँ, लिखित अभिव्यक्ति में शुद्ध लेखन के साथ-साथ संक्षिप्त एवं सटीक लेखन आवश्यक होता है।